पोर्टफोलियो द्वारा व्यक्ति का आंकलन

कुछ देशों में स्कूली शिक्षा सनद प्राप्त करने के लिए पोर्टफोलियो अनिवार्य होता है। भारत में नवाचार शिक्षा पद्धति में इसको महत्व प्रदान किया गया है, विशेषरूप से जब हम निरन्तर और व्यापक मूल्यांकन का उल्लेख करते हैं। पोर्टफोलियो में छात्र की विद्यालय, घर और समाज में उपलब्धियों का साक्ष्य वर्णित होता है। इसमें विभिन्न कौशलों में उनकी पारंगतता का प्रदर्शन भी होता है। यह वे कौशल होते है जिनका मापन परीक्षाओं द्वारा नहीं होता है।

पोर्टफोलियो में पूर्वनिर्धारित क्रेडिट प्रदान किये जाते हैं जो अगली कक्षा में जाने के लिए अनिवार्य होते हैं। यह क्रेडिट पूरे एक शैक्षिक सत्र या दो शैक्षिक सत्रों के आधार पर दिये जा सकते हैं।

पोर्टफोलियो के निम्नांकित लक्ष्य होते है ⟶

1. विद्यार्थी अपनी अधिगम की योजना व्यवस्था और आंकलन के लिए सक्रिय और प्रतिबिम्बित भूमिका अपनायेगा।
2. विद्यार्थी को अपने उस अधिगम को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना जो उसके बौद्धिक विकास और पाठ्यक्रम आधारित अधिगम के पूरक का कार्य करे।
3. विद्यार्थी सफल स्कूली शिक्षा के आगे जीवन में सफल पदार्पण की योजना बना पायेगा।

यह पोर्टफोलियो स्कूल स्तर पर तैयार किया जाता है, जो शिक्षामन्त्रालय के विशिष्ट मानकों के अनुरूप होता है। विद्यार्थी इस कसौटी और मानक का अपनी योजना, संकलन और प्रस्तुतीकरण के साक्ष्य तथा आत्म आंकलन के लिए निर्देशक के रूप में प्रयोग करते हैं। पोर्टफोलियो के तीन घटक होते हैं; जो निम्न प्रकार है —

(1) मुख्य पोर्टफोलियो चयन नम्बरों का 30%. ⇒

विद्यार्थियों को निम्नांकित हेतु पोर्टफोलियो संगठन ~~का चयन~~ अनिवार्य रूप से पूर्ण करने होते है :— कला और डिजाइन, साम्प्रदायिक संलिप्तता और उत्तरदायित्व, शैक्षिक और जीवन की योजना तैयार करना, कार्यशीलता का कौशल (30 घण्टे की एच्छिक कार्य का अनुभव) सूचना तकनीक

Scanned with CamScanner

पूर्वक प्रयोग करना, व्यक्तिगत स्वास्थ्य (50 घण्टे सामान्य या गहन शारीरिक क्रिया पूर्ण करना)।

(2.) पोर्टफोलियो चयन 50% नम्बर ⇒ विद्यार्थी उपर्युक्त क्षेत्रों का विस्तार करता है और अपनी उपलब्धि के अतरिक्त साक्ष्यों का चयन करता है।

(3.) पोर्टफोलियो प्रस्तुतीकरण @20 अंक ⇒ विद्यार्थी पोर्टफोलियो प्रक्रिया के अन्त में अधिगम का उत्सव मनाते हैं और उसे प्रतिबिम्बित करते हैं।

Scanned with CamScanner